

गणतंत्र दिवस पर भाषण

(गणतंत्र दिवस भाषण कक्षा 5 से 10 के लिए)

माननीय अतिथिगण, आदरणीय गुरुजन, सम्मानित अभिभावक और मेरे प्यारे साथी विद्यार्थियों,

आज हम अपने महान राष्ट्र भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के स्वर्णिम अवसर पर एकत्रित हुए हैं। मैं आज आपके समक्ष अथाह गौरव और कृतज्ञता के साथ खड़ा हूँ। यह दिवस हमारे हृदय में एक विशेष स्थान रखता है, क्योंकि यह हमारे संप्रभु और लोकतांत्रिक गणराज्य के जन्मदिन का प्रतीक है। यह दिन हमारे पूर्वजों के बलिदान और हमारे संविधान के आदर्शों की याद दिलाता है।

भारत के इतिहास को पीछे मुड़कर देखना, हमें श्रद्धा और आश्चर्य से भर देता है। स्वतंत्रता के संघर्षों से लेकर आज के लोकतांत्रिक भारत तक, हमारे देश ने एक लंबा सफर तय किया है। यह सफर उन अदम्य नायकों की कुर्बानियों का परिणाम है जिन्होंने हमारे अधिकारों, न्याय और समानता के लिए लड़ाई लड़ी। भारत के युवाओं को इस इतिहास से सीखना चाहिए और इसे गर्व के साथ आगे बढ़ाना चाहिए।

आज ही के दिन, 75 साल पहले, भारत ने अपने लोकतंत्र की आधारशिला रखी। भारत के संविधान के मुख्य शिल्पकार, डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने कहा था, "मेरा मानना है कि संविधान व्यवहारिक है, लचीला है और यह युद्धकाल और शांतिकाल दोनों में देश को एक साथ रखने के लिए पर्याप्त मजबूत है।" ये शब्द आज भी सच हैं। हमारा संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि एक जीवित, सांस लेने वाली इकाई है जो 140 करोड़ लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को दर्शाती है।

यहाँ एकत्रित सभी छात्रों, मैं चाहती हूँ कि आप एक पल ठहरें और उन अधिकारों और स्वतंत्रताओं पर विचार करें जिनका आप इस महान राष्ट्र के नागरिक होने के नाते आनंद उठाते हैं। शिक्षा का अधिकार, अभिव्यक्ति का अधिकार और सपने देखने का अधिकार। ये केवल कागज पर लिखे शब्द नहीं हैं; ये वो स्तंभ हैं जो हमारे लोकतंत्र के भवन को सहारा देते हैं। छात्रों के रूप में, यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप इन अधिकारों का अधिकतम लाभ उठाएं, सीखें, सवाल करें और उस समाज के लिए सकारात्मक योगदान दें जो आपको पोषण देता है।

शिक्षा प्रगति और विकास का द्वार खोलने वाली चाबी है। यह हमें ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास प्रदान करती है, जिससे हम अपने समुदाय और राष्ट्र को बेहतर बनाने में योगदान दे सकते हैं। इस गणतंत्र दिवस पर, आइए हम शिक्षा को अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बनाएं और अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करें। हम सभी में बदलाव का सूत्रधार बनने की क्षमता है, जो दूसरों को प्रेरित कर सके।

हमारा देश एक खूबसूरत बुने हुए कपड़े की तरह है, जो विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं से बना है। यह विविधता ही हमें अद्वितीय और शक्तिशाली बनाती है। गणतंत्र दिवस के इस शुभ अवसर पर, आइए हम अपने देश की इस समृद्ध विरासत की सराहना करें। आइए उन चीजों को समझें और उनका सम्मान करें जो हमें एक साथ रहने के लिए प्रेरित करती हैं। हमेशा याद रखें, हमारी पहचान सिर्फ 'विविधता में एकता' कहने के बारे में नहीं है, यह इस बारे में है कि हम वास्तव में कौन हैं।

भारत के युवा हमेशा परिवर्तन के अग्रदूत रहे हैं। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक, युवाओं ने देश को एक बेहतर स्थान बनाने के लिए नेतृत्व किया है। आज, मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि अपनी ऊर्जा, जुनून और रचनात्मकता को भारत के भविष्य के निर्माण के लिए समर्पित करें।

भविष्य के चौराहे पर खड़े होकर, हम आने वाली चुनौतियों को अनदेखा नहीं कर सकते। जलवायु परिवर्तन, गरीबी, असमानता - ये केवल वैश्विक मुद्दे नहीं हैं, बल्कि ऐसी चुनौतियाँ हैं जिन पर हमें तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। जिम्मेदार नागरिकों के रूप में, टिकाऊ समाधान खोजने की दिशा में योगदान करना हमारा कर्तव्य है। अपने carbon footprint के प्रति सचेत रहें, पर्यावरण के अनुकूल तरीकों को अपनाएं और ऐसी नीतियों की वकालत करें जो हमारे ग्रह के कल्याण को प्राथमिकता दें।

राष्ट्र सेवा की भावना हम में से प्रत्येक के अंदर समाई होनी चाहिए। महात्मा गांधी के शब्दों को याद रखें, "अपने आपको पाने का सबसे अच्छा तरीका दूसरों की सेवा में खो जाना है।" चाहे वह सामुदायिक परियोजनाओं के लिए स्वयंसेवा करना हो, स्वच्छता अभियानों में भाग लेना हो या सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल होना हो, हर छोटा प्रयास मायने रखता है। साथ मिलकर हम अपने आसपास के लोगों के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।

आइए, इस क्षण को उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने में भी लें, जो हमारे सशस्त्र बलों में सेवा करते हैं, हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं और हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। उनके बलिदान और समर्पण हमारे अत्यंत सम्मान और समर्थन के पात्र हैं। इस गणतंत्र दिवस पर, आइए, अपने नायकों को सलाम करें और अपने सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के कल्याण में जितने भी तरीके से योगदान दे सकते हैं, देने का संकल्प लें।

मेरे प्यारे दोस्तों, गणतंत्र दिवस हमारे राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास और उज्ज्वल भविष्य की याद दिलाता है।

हम अतीत की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं, लेकिन हम भविष्य के लिए आशावादी भी हैं।

आइए, हम वह बदलाव बनें जो हम देखना चाहते हैं।

आइए, हम एकजुट होकर एक ऐसे भारत का निर्माण करें जो सभी के लिए एक बेहतर स्थान हो।

मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे सामूहिक प्रयासों से भारत वैश्विक पटल पर लगातार तरक्की करता रहेगा और चमकता रहेगा. **गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं, और तिरंगा हमेशा हमारे दिलों में ऊंचा लहराए! जय हिंद!**